बी.ए. खण्ड-द्वितीय / हिन्दी (प्र०) / अध्ययन सामग्री
डॉ० संतोष कुमार, सहायक प्राचार्य, हिन्दी विभाग
भारती मंडन महाविद्यालय, रहिका, मधुबनी
दिनांक : 28.07.2020

पत्र : चतुर्थ / छायावादोत्तर हिन्दी काव्य
व्याख्या :..... शीर्षक :- उड़ चल, हारिल (शेष...)
कवि :- अज्ञेय

फिर कवि कहते हैं !—

मिट्टी निश्चय है यथार्थ, पर
क्या जीवन केवल मिट्टी है ?
तू मिट्टी, पर मिट्टी से उठने
की इच्छा किसने दी है !
आज उसी ऊर्ध्वांग ज्वाला का
तू है दुर्निवार हरकारा
दृढ़ ध्वज दंड बना यह तिनका
सूने पथ का एक सहारा ।

शब्दार्थ :- यथार्थ - सत्य । , ऊर्ध्वांग - शरीर के ऊपर का भाग। ज्वाला = मशाल, अग्नि की लपटे ।, दुर्निवार - जिसका निवारण कठिन हो। हरकारा - डाकिया, संदेशवाहक। , दृढ़ = मजबूत। ध्वज - दंड = झंडा फहराने का डंडा।

यहाँ कवि हारिल पक्षी से प्रश्न करते हुए कहते है कि हे हारिल, निश्चित मिट्टी ही एक मात्र सत्य है। इस शरीर को भी एक दिन मिट्टी में ही मिल जाना है। किन्तु इस शरीर रूपी वाहक जीवन क्या केवल मिट्टी है। तुम मिट्टी हो किन्तु इस मिट्टी से ऊपर उठने की इच्छा तुम्हें किसने दी है। अर्थात इसी मिट्टी ने तुम्हें प्रगति का संदेश दी है। तुम्हें प्रगति तुम्हें प्रगति रूपी मशाल थमायी है और तुम्हे ऊपर की ओर उठने वाली मशाल की ज्वाला के तुम ही संदेश वाहक हो। तुमने पंजों में जो ये तिनका दबा रखा है वह इस मशाल के

मजबूत ध्वज-दंड के समान है। यही तुम्हारा पथ में एक मात्र सहारा होगा। तुम्हारे अंधेरे में आगे बढ़ने में सहायक होगा। कहने का तात्पर्य है कि कवि अब युवा वर्ग से जीवन का कठिन प्रश्न पूछते हुए कहता है कि वास्तव में जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि जीवन नश्वर है, किन्तु क्या जीवन केवल मिट्टी मात्र है। जन्म लेना और फिर मृत्यु को प्राप्त हो जाना। क्या यही जीवन-चक्र है। अगर ऐसी ही बात है तो बताओं की मानव में ऊपर उठने की इच्छा शक्ति किसने जगायी है। अर्थात् संसार के निर्माता ने ही मनुष्य में सृजन की इच्छा शक्ति, आगे बढ़ने का हौसला जगायी है। इसलिए कवि मानव के मस्तिष्क रूपी मशाल का संदेशवाहक कहते है। मनुष्य के शरीर में सूचना का आदान-प्रदान मस्तिष्क से ही होता है। हारिल के पंजो का यह तिनका उसके विकास के प्रतीक ध्वज का दंड बनेगा, जो उसके कृति को बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही इसमें आगे बढ़ने की इच्छा शक्ति भी जगायेगा। अर्थात मनुष्य को अपने आत्मबल पर विश्वास रख आगे बढ़ना चाहिए।

Scanned with CamScanner